

Living the Lotus

4
2022

VOL. 199

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्कयो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 199 (April 2022)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Jigjikhorloo Gereltuya
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rishsho Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

बुद्ध से आमने-सामने मिलना

रेवरेन्ट निक्कयो निवानो

जब शाक्यमुनि ने अपने शिष्यों और अनुयायियों को, जो उनके दर्शन और अभिवादन के लिए दूर-दूर से आये थे, वे हमेशा की तरह उनसे पूछा, “क्या आपको मार्ग में कोई कठिनाई तो नहीं हुई? क्या आपको भोजन पानी मिलने में कोई परेशानी तो नहीं हुई? क्या आपकी मंडली में सभी ठीक हैं?”

एक दिन, अपने सामान्य तरीके से, जब बुद्ध ने आने वाले शिष्यों के एक समूह से पूछा कि वे सभी कैसे हैं, तो उनमें से एक ने उत्तर दिया, “वास्तव में, हमारा एक साथी बीमार पड़ गया है, लेकिन हमने उसे पीछे छोड़ दिया, क्योंकि हमारा मन बुद्ध के दर्शन के लिए पहुँचने में लगा था।” जब शाक्यमुनि ने यह सुना, उन्होंने उन्हें चेतावनी दी, “शिष्य जो अपने बीमार मित्र की देखभाल के लिए मेरे पास आने के बजाय पीछे रह गये हैं, वे वास्तव में मुझसे आमने-सामने मिलते रहे हैं, भले ही हम एक हजार लीग अलग हों।”

शाक्यमुनि ने उन्हें सिखाया कि, व्यक्तिगत रूप से उनसे मिलने आने के बजाय, एक सच्चा शिष्य वह था जिसने बुद्ध की शिक्षा को अपना बनाया।

हम बुद्ध का अभिवादन करते हैं, क्योंकि हम चाहते हैं कि हमारा मन बुद्ध के करीब हो। लेकिन यदि एक भी व्यक्ति बीमारी से पीड़ित है, तो उसकी मदद और देखभाल के कारण जाने में असमर्थ अनुभव करता है, वह बुद्ध का हृदय है। किसी और चीज से पहले, हमें उन लोगों की सहायता करनी चाहिए जो पीड़ित हैं और संकट में हैं।

काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 222-223

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

शील का पालन आपकी कृतज्ञता का प्रतीक है

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिशशो कोसेइ काइ



हमें प्राप्त समर्थन के लिए आभार

जैसा कि मैं अक्सर कहता हूँ, हमारे जीवन को हमेशा जन्म के समय से ही सभी अस्तित्व में आये द्वारा समर्थन मिलता रहा है। हालाँकि, जब हर दिन उस समर्थन के लिए आभारी होने की बात आती है, तो कुछ लोग हो सकते हैं जो आत्मविश्वास से कह सकते हैं कि वे जो करते हैं, वह आभार प्रकट करना है। कुछ लोग मौसम के बारे में शिकायत करते हैं, जबकि अन्य अपने ही परिवार के सदस्यों को एक सरल "धन्यवाद" कहने में असमर्थ होते हैं।

शील का पालन छह पारमिताओं में एक है, जो हमें बोधिसत्व के आचार व्यवहार के गुणों को सिखाता है। शील पालन के लिए मूल शब्द शील है, (पालि में सील, संस्कृत में शील), जिसका अर्थ कुशल आचार व्यवहार को अक्षरशः पूर्ण करना है। जबकि शब्द शील का पालन, बल्कि एक निषेधात्मक क्रिया है, जिससे आपको विरत रहने का आदेश मिलता है, यह वास्तव में एक सकारात्मक अर्थ है, जो बोधिसत्वों के आचार व्यवहार के लिए उपयुक्त है, जो स्वयं और दूसरों दोनों की खुशी की आशा देता है।

इस सकारात्मक अर्थ का बौद्ध शिक्षा से गहरा सम्बन्ध है, जिसका मैंने ऊपर उल्लेख किया है। हमारे जीवन को हमेशा सभी अस्तित्व में आये द्वारा समर्थन मिलता है, जो बौद्ध शिक्षा का सार बताता है। हम आभारी हैं कि सब कुछ हमारे जीवन का समर्थन करता रहा है और इसलिए हम बुद्ध की इच्छा और बोधिसत्व के लक्ष्य के अनुसार, सभी को सुखद, सुखी जीवन जीने में मदद करने का प्रयास करते हैं। आखिरकार, अपने आस-पास के लोगों को मन की शांति देना, चाहे हम अभी कहीं भी हों, उस समर्थन के लिए हम अपनी कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में कम से कम ऐसा कर सकते हैं। यह प्रकृति का नियम है कि प्रत्येक स्थान पर सब कुछ स्वाभाविक रूप से सद्भाव की स्थिति में मौजूद है, इसलिए सभी को शांतिपूर्ण और सुखद महसूस करानेवाले आचार व्यवहार में महारत हासिल करके और अभ्यास करके, आप जीने के लिए कृतज्ञता की अपनी भावनाओं को व्यक्त कर रहे हैं, जो बोधिसत्व अभ्यास का अर्थ है, जिसे शील का पालन कहा जाता है।

सामान्य बौद्धों के लिए पाँच शील हैं--हिंसा करने, चोरी करने, अनैतिक यौन आचरण करने, झूठ बोलने और नशीले पदार्थों का सेवन करने से विरत रहना है। हालाँकि, हमारे दृष्टिकोण से, हम कह सकते हैं कि ये पाँच दिशा-

निर्देश हैं, जो अन्य लोगों को परेशानी में डालने या चोट पहुंचाने के विरुद्ध हैं। जब आप सभी जीवन के लिए आभार प्रकट करते हैं और उसे समुचित उपयोग में लाते हैं; परिवार, मित्रों और परिचितों के साथ अच्छी तरह से मिलें; और सभी को खुशी से जीने दें - यही तुम्हारे लिए भी सबसे बड़ी खुशी है, है न?

हम सभी को अपने स्वयं के लिए कुशल कर्मों का निर्धारण करना है

मासाहिरो मोरी जिन्हें रोबोटिक्स में महारथ और बौद्ध धर्म का गहरा ज्ञान है, एक बार कहा है कि जिस तरह हर व्यक्ति का चेहरा अलग होता है, हर किसी की अपनी विशेष आदतें और कमजोरियाँ होती हैं और इसलिए, कुशल कर्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, अपनी स्वयं के कुशल कर्म से बने कुशल आचार व्यवहार को परखना और व्यवहार में लाना महत्वपूर्ण है और उन्हें अपना स्वयं का आचार व्यवहार बनाना है।

उस अर्थ में, आइए उन पाँच कुशल शीलों पर विचार करें, जिन्हें हम अपने लिए आवश्यक समझते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप ऐसे व्यक्ति हैं, जो अक्सर देर से आनेवाले अन्य लोगों को परेशान करते हैं, तो संस्थापक निवानो की हमेशा कही बातों को याद करने से मदद मिल सकता है, "जल्दी पहुँचे, भले ही समय से केवल पाँच या दस मिनट पहले हो।" या यदि आप ऐसे व्यक्ति हैं, जो शीघ्र क्रोधित हो जाते हैं, तो मुझे लगता है कि ऐसे समय में इस मंत्र, निकोनिको, हारा तत्सुमाइज़ोया सोवाका (मुस्कुराओ और अपना आपा मत खोओ, ऐसा हो सकता है) का पाठ करने की आदत डालने और गहरी सांस लेने से आपको आसपास के लोगों को असहज होने से रोकने में मदद मिल सकती है।

इस तरह के शीलों जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होते हैं - हम कह सकते हैं, दृष्टिकोण के आधार पर, जीवन शैली का नियम या शिष्टाचार का तरीका बन जाता है। शिष्टाचार (सामान्य अर्थों में) भिन्न हैं, क्योंकि प्रत्येक के मन में और प्रत्येक व्यक्ति जो उन्हें व्यवहार में लाता है, समर्थन प्राप्त करने के लिए आभार है और स्वयं को लाभान्वित करने के आनंद के आपके स्वयं के अनुभव की ओर ले जाता है। और सभी की खुशी और सद्भाव के लिए आशा और प्रार्थना है। दूसरों को लाभान्वित करने का आपका मन, जो आपके परिवेश में सामंजस्य लाता है, एक बोधिसत्व का परिश्रम बन जाता और आपके आनन्द का लाभ की ओर अग्रसर कराता है।

कहा जाता है कि जापान के बर्फीले इलाकों में पेड़ों की जड़ों से वसंत आता है। एक जापानी मुहावरा है, युकिनेबिराकी, जो बताता है कि कैसे पेड़ों की जड़ों के आसपास की बर्फ, अपने आसपास कहीं और पिघलने से पूर्व पिघलने लगता है। दरअसल, जब मैं संस्थापक निवानो के गृहनगर, सुगानुमा के वसंत को याद करता हूँ, तो मेरा मन तुतेलारी सराइन के चेरी के पेड़ों की शांत यादों में वापस भटक जाता है, उनकी जड़ें मिट्टी से झाँकने लगती हैं, जबकि उनके आसपास का क्षेत्र अभी भी बर्फ से ढका हुआ होता है, जो चमकीले फूलों के खिलने का प्रारंभ है।

देवताओं और बुद्धों के कार्यों के लिए कृतज्ञता के साथ, हमें कौशल में दक्षता हासिल करना जारी रखना चाहिए ताकि हम प्रकृति के नियम के अनुरूप रहें और अपने हर दिन को मन की शांति के साथ बिताएँ।

From Kosei, April 2022.

कॉमिक्स के माध्यम से रिश्शो कोसेइ काइ का परिचय

संस्थापक का जीवन और रिश्शो कोसेइ काइ का इतिहास

संस्थापक का निर्वाण में प्रवेश

विश्व शांति की प्राप्ति के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले रिश्शो कोसेइ काइ के संस्थापक का निन्यानबे वर्ष की आयु में 4 अक्टूबर 1999 को निधन हो गया।

10 अक्टूबर को ग्रेट सेक्रेड हॉल में अंतिम संस्कार सेवा में जीवन के सभी क्षेत्रों से लगभग 60,000 सदस्य और शोक प्रकट करनेवाले एकत्र हुए।

अंत्येष्टि शोक मनानेवाले प्रतिनिधियों द्वारा दिया गया, जिसमें अंतर्धार्मिक संवाद और सहयोग में संस्थापक की उपलब्धियों की सराहना की गयी और उनके प्रति अंतिम सम्मान का प्रकट किया गया।

समारोह के दौरान प्रेसिडेंट ने अंतिम संस्कार भाषण पढा। उन्होंने दिवंगत संस्थापक- अपने शिक्षक और पिता के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया और साथ ही धार्मिक अभ्यास में संस्थापक के मार्ग का अनुसरण करने के अपने दृढ़ संकल्प को भी व्यक्त किया।



☀ क्या तुम्हें पता है?

शोक व्यक्त करने वालों में जापानी बौद्ध धर्म के तेंदई संप्रदाय के मुख्य पुजारी परमपूज्य एशिन वातनाबे, श्री शिंतारो इशिहारा, मेट्रोपॉलिटन टोक्यो के गवर्नर और नेशनल काउंसिल ऑफ़ पूज्य द ब्राइट सोसाइटी मूवमेंट के अध्यक्ष; और कार्डिनल पीटर शिरायानागी, शांति के लिए जापानी धर्म समिति के अध्यक्ष शामिल थे।

* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।

रिश्शो कोसेइ काइ के प्रेसिडेण्ट निचिको निवानो



प्रेसिडेण्ट सदस्यों की शिक्षा में मार्गदर्शन करने के लिए हमेशा समर्पित रहते हैं, जिसमें उन सभी को खुश देखने की उनकी इच्छा रहती है। उन्होंने विश्व शांति की प्राप्ति के लिए भी स्वयं को प्रतिबद्ध किया है।

वे ग्रेट सेक्रेड हॉल में समारोहों के दौरान सदस्यों को धर्म वार्ता देते हैं। वे उन क्षेत्रों का भी दौरा करते हैं, जहाँ रिश्शो कोसेइ काइ अपनी देशनाओं का प्रचार प्रसार करता है, और जब भक्तिभाव को बढ़ाने के लिए एक समारोह होता है तो वे शाखाओं और प्रशिक्षण हॉल में मौजूद रहते हैं।

वे विश्व शांति पर चर्चा करने के लिए अन्य धार्मिक संगठनों का दौरा करते हैं। साथ ही, वे विश्व शांति की प्राप्ति की दिशा में भी सक्रिय रूप से काम करते हैं - एक मध्यस्थ के रूप में संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय शांति बैठकों में शामिल होते और विश्व के धार्मिक नेताओं की सभाओं में भी भाग लेते हैं। उनका सौम्य व्यक्तित्व और धर्म की खोज में सच्ची निष्ठा सदस्यों को सम्मान प्रकट करने के लिए प्रेरित करता है।



क्या तुम्हें पता है?

वे शांति के लिए धर्मों के मानद अध्यक्ष के रूप में भी कार्य करते हैं और शिनशुरेन (जापान के धार्मिक संगठनों का संघ) के सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं।

Director's Column

अच्छी आदतों में महारत हासिल करना

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

इस महीने की धर्म वार्ता छह पारमिताओं में से दूसरे, “शील पालन” पर केंद्रित है। हमने सीखा है कि, “शील पालन” के लिए मूल भारतीय शब्द का अर्थ “कुशल आचार व्यवहार को अक्षरशः पूर्ण करना है,” जिसका सकारात्मक अर्थ बोधिसत्व के आचार व्यवहार को दर्शाता है। “क्या नहीं करना है” के ठीक विपरीत निषेधात्मक शीलों को हमारी धारणा उलट देता है।

बुद्धों और बोधिसत्वों के आदेशों का पालन करते हुए, जीवन का समर्थन करनेवाली हर चीज के लिए कृतज्ञता ज्ञापन करना और अपने आसपास के लोगों के लिए मन की शांति लाना प्रकृति के नियमों के अनुसार है। इसलिए ऐसे आचार व्यवहार को विकसित करना और अभ्यास में लाना है, जो अपने परिवारों, मित्रों और परिचितों को सुखद अनुभूति कराता है और जो हमें उनके साथ अच्छी तरह से जुड़ने में मदद करता है, यह कुछ और नहीं बल्कि “शील पालन” का बोधिसत्व अभ्यास है। यदि हम इस तरह से शीलों को समझते हैं, तो मुझे लगता है कि हम सकारात्मक और आशावादी तरीके से “शील के पालन” के बोधिसत्व अभ्यास में शामिल होने में सक्षम होंगे।

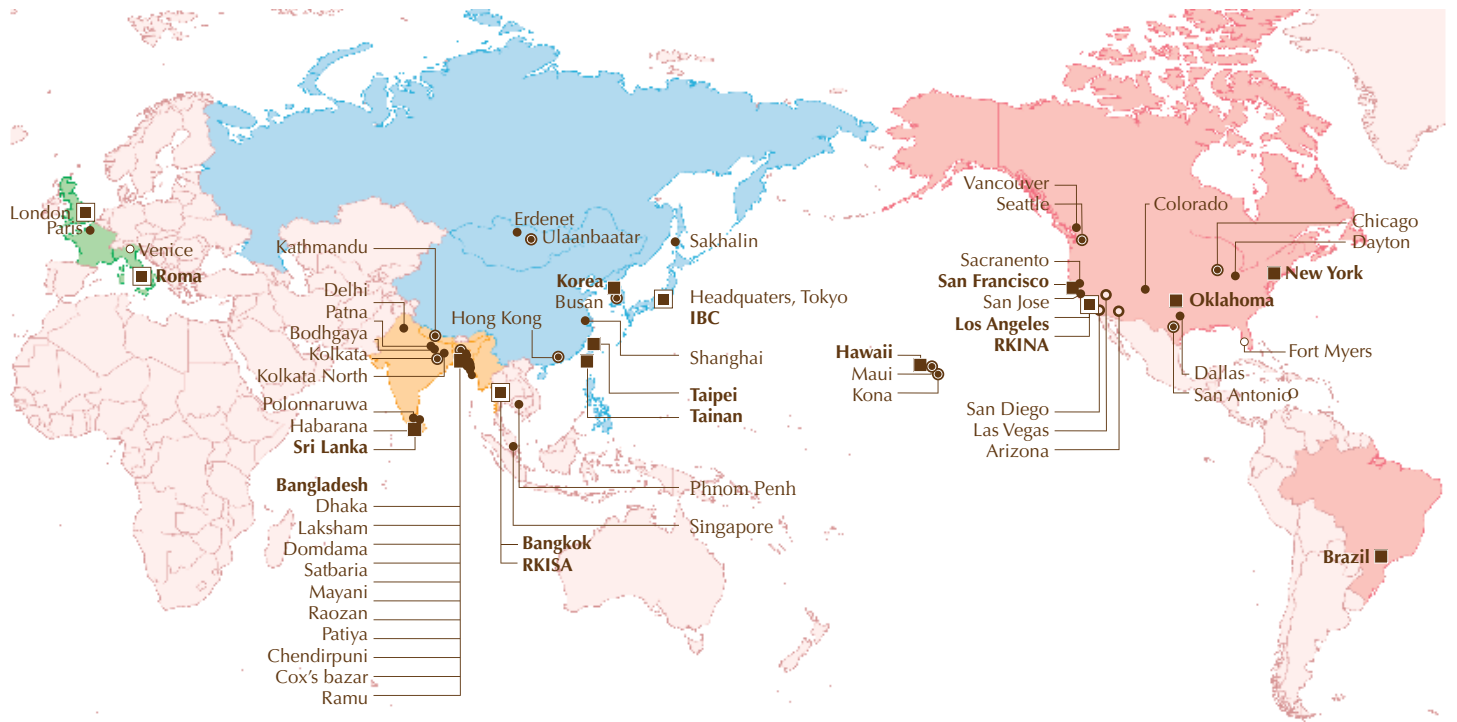
इस महीने की धर्म वार्ता हमें यह सोचने का एक अनमोल अवसर है कि हममें से प्रत्येक के लिए कौन-सा आचार व्यवहार कुशल है। “आइए हम सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाएँ जो एक लंबी और कड़ी सर्दी के बाद चलने वाली कोमल वसंत हवा के समान सुखद हो।” ऐसा लक्ष्य पूर्णरूप से उत्तम लगता है।

अंत में, मैं चाहूँगा कि आप स्वयं से पूछें, “मेरा स्वयं का शील क्या है?”



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

(Address) 1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 (Mail) POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: lotusbuddhist@gmail.com
 URL: <https://sf-buddhism.org/>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rky39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

(Address) 2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 (Mail) POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: info@rkina.org
 URL: <https://www.buddhistcenter-rkina.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

在家佛教韓國立正佼成會 Korean Rissho Kosei-kai
〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

**在家佛教韓國立正佼成會釜山支部
Korean Rissho Kosei-kai of Busan**
〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人 在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Taipei
台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Tainan
台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu
Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai Society of Kolkata
89 Srirampur Road (VIP), Garia, Kolkata 700084, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North
AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center
Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rampur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center
Please contact Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi
77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh
W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation
No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa
Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh
85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani
Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama
Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria
Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni
Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan
Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham
Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka North
408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar
Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya
Rissho Kosei-kai Ramu
Rissho Kosei-kai Aburkhill

Buddiyskiy khram "Lotos"
4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong
Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar
(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma
Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris
Rissho Kosei-kai of Venezia

Rissho Kosei-kai of the UK
29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)
166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.ibt-rk.org>